भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2711

उत्तर दिनांक - 07/08/2024 को दिया गया

निवल शून्य उत्सर्जन की दिशा में संक्रमण

2711. डॉ. प्रदीप कुमार पाणिग्रही

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) सरकार द्वारा निवल शून्य उत्सर्जन की दिशा में तेजी लाने के लिए कार्यान्वित की जा रही विशिष्ट नीतियों का ब्यौरा क्या है और ऊर्जा संक्रमण के लिए कार्यनीति को निवल शून्य लक्ष्यों की ओर समकालिक बनाने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का योगदान क्या है; और
- (ख) उन संभावित जोखिमों और बाधाओं का ब्यौरा क्या है जिनका सामना भारत को निवल शून्य उत्सर्जन के लिए एक सफल संक्रमण प्राप्त करने में किए जाने की संभावना है और उन्हें दूर करने की योजना क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) नाभिकीय ऊर्जा में देश की दीर्घकालिक ऊर्जा संरक्षा को संधारणीय तरीके से उपलब्ध कराने की विशाल क्षमता है। 24x7 उपलब्ध स्वच्छ बिजली के आधार भार स्रोत के रूप में, निवल शून्य में ऊर्जांतरण करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। देश के नाभिकीय विद्युत संयंत्रों ने अब तक लगभग 880 बिलियन यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन किया है जिससे पर्यावरण में लगभग 757 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) का उत्सर्जन कम हुआ है। वर्तमान में स्थापित क्षमता 8180 मेगावाट को वर्ष 2031-32 तक 22480 मेगावाट तक बढ़ाने के लिए वर्तमान में नाभिकीय विद्युत क्षमता विस्तार कार्यक्रम क्रियान्वयनाधीन है।
- (ख) कुछ नए नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थलों पर स्थानीय लोगों के कुछ वर्गों द्वारा नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रतिरोध के छिटपुट उदाहरण हैं। प्रतिरोध का कारण मुख्य रूप से पुनर्वासन पैकेज, आजीविका के पारंपरिक साधनों को खोने की आशंका और नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की संरक्षा से संबंधित मुद्दे रहे हैं। नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की संरक्षा और पुनर्वासन से संबंधित लोगों की आशंकाओं को दूर करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण पर आधारित एक वृहद् सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम, संबंधित राज्य सरकारों के सहयोग से समाधान किया जा रहा है।